1976 ई० के वाली शिखर सम्मेलन मे आसियान से समस्त राष्ट्रो मे पारस्परिक सहयोग का बढ़ाने के सन्दर्भ मे निम्नांकित तीन सुझाव रखे गये —

(i) बाहरी आसता कम करके सदस्य राष्ट्र पारस्परिक व्यापार को महत्व देगे।

(ii) अधिषेश खाद्य एवं ऊर्जा शक्ति वाले राष्ट्र इन क्षेत्रो मे अभाव से पीड़ित आसियान देश को मदद देगे

(iii) आसियान के देश व्यापार को अधिकाधिक क्षेत्रिय बढ़ाने का प्रयास करेगे

वाली शिखर सम्मेलन मे ही आसियान राष्ट्रो के प्रधानो ने क्षेत्रीय सहयोग मे आसियान की भूमिका पर एक ऐसा रूपरेखा प्रस्तुत की एक घोषणा एवं समझौते मे इण्डोनेशिया एवं फिलीपीन्स के राष्ट्रपति और सिंगापुर मलेशिया एवं थाईलैण्ड के प्रधानमन्त्रियो ने यह घोषण की कि आसियान का कार्य सिर्फ आर्थिक राजनीतिक एक सांस्कृतिक मामलो तक ही सीमित रहेगा

जनवरी 1992 ई० मे चौथे — शिखर सम्मेलन (सिंगापुर) मे आसियान ने नई अन्तर्राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था की माँग की जिसमे विकसशील और विकसित देशो के बीच कोई भेदभाव न रहे आसियान देशो के नेताओ ने अपना एक अलग अलग युक्त व्यापार क्षेत्र बनाने का प्रस्ताव भी रखा सम्मेलन के अन्त मे जारी घोषणा पत्र मे दक्षिण पुर्वी एशिया को शान्ति क्षेत्र बनाने का प्रस्ताव भी रखा सम्मेलन के अन्त मे जारी घोषणा पत्र मे

दक्षिण पूर्व एशिया को सदस्य देशो के बीच क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए करो मे कमी के बारे मे एक समझौता हुआ।
इस समझौते के लिए सिंगापुर मलेशिया इण्डोनेशिया फिलीपीन्स और ब्रुनेई के वित मन्त्रियो ने मिलकर तैयार किया था —
इसमे साझा प्रभावी का योजना बनाने कि बात कही गयी है।
इसका मकसद दक्षिण पूर्व एशिया मे 15 सालो के अन्दर एक मुक्त व्यापार क्षेत्र बनायाजाता है
दिसम्बर 1995 ई० मे आयोजित पाँचवे शिखर सम्मेलन (वितयमान) मे सम्पन्न हुआ। (थाइलैण्ड) मे शिखर नेताओं ने सन् 2003 तक को मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाने का फैसला किया। आसियान के शिखर सम्मेलन का एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय बौद्धिक सम्पदा से सम्बधित समझौता है।
इस समझौते मे समूह के सदस्य देशो मे विश्वास है कि वे विदेशी निवेश को आकर्षित करने मे कामयाब होगे तथा साथ ही तकनीक के हस्तान्तरण पर भी जोर दे सके
एक अन्य समझौता नाभिकीय शास्त्रो को रखने उनका उत्पादन करने अथवा उन्हे प्राप्त करने को प्रतिबान्धित रखने कि सिसिले मे भी सम्पन्न हुआ। समझौते के तहत उत्तर मे म्यांमार एवं वियतनाम तथा दक्षिण मे फिलीपीन्स व इण्डोनेशिया एक तक नाभिकीय शास्त्रविहीन क्षेत्र बनाने की व्यवस्था है।

आसियान को छठा शिखर सम्मेलन 15-16 दिसम्बर 1998 के हनोई (वियतनाम) मे सम्पन्न हुआ। दो दिन चले इस शिखर सम्मेलन मे दक्षिण-पूर्व एशिया मे स्वतन्त्र व्यापार क्षेत्र को पूर्व निर्धारित समय सीमा से पहले ही प्रभावी करने पर सहमति रही। संयुक्त विज्ञप्ति मे कहा गया कि आसियान के छह पुराने सदस्य ब्रुनेई - इण्डोनेशिया मलेशिया फिलीपीन्स सिंगापुर व थाईलैण्ड मे पूर्ण स्वतन्त्र व्यापार के लक्ष्य को पूर्व निर्धारित सन् 2003 के स्थान पर 2002 तक ही प्राप्त कर लेंगे आसियान के पूर्व निर्धारित विजन 2020 की दिशा मे पहले व्यवहारिक कदम के रूप मे 1999 - 2004 ई० की अवधि के लिए स्वीकृत इस हनोई कार्य योजना के तहत क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण व्यापार उदारीकरण व वितीय सहयोग वृद्धि के लिए विभिन्न उपाय निर्धारित किए गए हैं नवम्बर 1999 ई० मे सम्पन्न आसियान नेताओं के सम्मेलन मे इस बात पर विशेष रूप से बल दिया गया है कि आसियान देशो को एक समूह के रूप मे वित्तीय व आर्थिक व आर्थिक सहयोग के लिए गम्भीरता से प्रयास करने चाहिए। इस सन्दर्भ मे चीन आसियान का विस्तार इस सम्मेलन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

जुलाई 2000 ई० मे आसियान का 33वाँ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन बैंकाक मे सम्पन्न हुआ बैठक का मुख्य मुद्दा था विश्व व्यापार संगठन मे विकास शील देशो की हितों की रक्षा कैसे की जाय

Date___/___/___

आई॰ एम॰ एफ॰ तथा विश्व बैंक की नाराजगी के भय से इस प्रश्न पर खुलकर चर्चा नहीं हुई चीन को विश्व व्यापार संघ का सदस्य बनाये जाने की अनुशंसा की गई।
आसियान के साथ भारत की 10 वीं शिखर बैठक कम्बोडिया की राजधानी नोम पेन्ह में 19 नवम्बर 2012 में सम्पन्न हुई। इस शिखर बैठक के साथ सातवाँ पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन भी 20 नवम्बर को नोमपेन्ह में ही सम्पन्न हुई हुआ। इसमें बताया गया है कि 2011-12 ई॰ के दौरान भारत आसियान व्यापार 80 अरब डालर कर रहा जो निर्धारित 70 अरब डालर के लक्ष्य से अधिक था। तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इस बात पर हर्ष व्यक्त किया।

प्राचार्य 21/01/22
मीरा मैमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Page No.